नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 **7** 1-9 फरवरी। भारत मंडपम, नई दिल्ली

शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार

nbt.india

मेला वार्ता

हम, भारत के लोग... We, the People of India... थीम गणतंत्र भारत के 75 वर्षों का उत्सव 1950-2025

शुक्रवार, 07 फरवरी, 2025

शेख फैज़ल बिन कासिम अल थानी की पुस्तक का लोकार्पण

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 के थीम मंडप में शेख फैज़ल बिन कासिम अल थानी की पुस्तक 'थ्रू माई आईज़ : ऐज़ सीन, रेड एंड लिव्ड; हिस्ट्री, पीपल एंड सॉवरेंस' के मलयालम संस्करण का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस पुस्तक के माध्यम से लोग कतर के इतिहास एवं संस्कृति से परिचित होंगे। उन्होंने पुस्तक के मलयालम भाषा में अनुवाद के उद्देश्य के संबंध में बताते हुए कहा कि कतर में भारत के केरल राज्य के बहुत सारे मलयाली भाषी लोग इस पुस्तक को पढ़ सकें, इसलिए पुस्तक का मलयालम भाषा में अनुवाद करवाया गया। उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय पुस्तक न्यास का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में एन.बी.टी. के निदेशक युवराज मलिक एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राजस्थान के माननीय राज्यपाल पधारे मेले में

"यहाँ हर विषय पर हर आयु वर्ग के लिए पुस्तकें उपलब्ध हैं, माहौल भी बेहद उत्कृष्ट है। ऐसे पुस्तक मेले हर राज्य में होने चाहिए, क्योंकि पुस्तकों से ज्ञान का विस्तार होता है।"

–श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े

राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का अवलोकन किया और पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहित किया। उन्होंने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत को इस आयोजन के लिए बधाई दी और मेले के थीम मंडप का भ्रमण भी किया। उन्होंने मेले से कई पुस्तकें भी खरीदीं। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल के साथ राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे एवं न्यास के निदेशक युवराज मलिक उपस्थित रहे।

"समाज में जो आप देते हो, वही आपको प्रतिफल के रूप में प्राप्त होता है।"

–गोविंद ढोलकिया

भारत लिटरेचर फेस्टिवल द्वारा आयोजित 'बियॉन्ड डायमंड्स : दि इंटरवोवेन पाथ्स ऑफ किनशिप एंड कॉमर्स' कार्यक्रम में हीरा निर्यात उद्यम श्री रामकृष्ण एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष, राज्यसभा सदस्य एवं लेखक श्री गोविंद लालजीभाई ढोलकिया ने श्रीमती दीपाली वशिष्ठ के साथ संवाद किया। इस अवसर पर श्री ढोलकिया ने कहा कि उनकी पुस्तक में न केवल हीरा उद्योग की जानकारी है, अपितु उनके जीवन की तमाम अनुभूतियाँ भी सम्मिलित हैं। उन्होंने आगे कहा कि "समाज में जो आप देते हैं वही आपको प्रतिफल के रूप में प्राप्त होता है।"

थीम मंडप

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डॉ. नवीन सिंह की पुस्तक 'अनहैक्ड द फ्यूचर ऑफ डेटा सिक्योरिटी' का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर जेफ्री डेविट एवं राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के निदेशक युवराज मलिक एवं आइवन वयूजिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित 'ओडिशा एंड द कॉन्सटिटुएंट असेंबली : ए लुक-बैक' कार्यक्रम में प्रो. जितेंद्र नारायण दास एवं प्रो. सुधीर चंद्र जेना ने संविधान सभा में ओड़िसा सदस्यों के महत्वपूर्ण योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रम का संचालन प्रो. सुमन्यु सत्पथी ने किया।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित 'राजभाषा हिंदी, अनुप्रयोग के विभिन्न आयाम' कार्यक्रम में डॉ. संजय द्विवेदी, सुभाष चंद्र, बालेंदु शर्मा दाधीच एवं सुश्री अलका सिन्हा ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर डॉ. संजय द्विवेदी ने कहा कि 'भाषाएँ और माताएँ अपने पुत्र-पुत्रियों से सम्मानित होती है।' उन्होंने यह भी कहा कि "शब्द कठिन-सरल नहीं होते अपितु वे परिचित अथवा अपरिचित होते हैं।" कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार पर अपने विचार रखे।

भारत लिटरेचर फेस्टिवल द्वारा आयोजित 'ए थाउजेंड थ्रेड्स वीविंग दि स्टोरी ऑफ भारत' कार्यक्रम में राजनेता एवं लेखक डॉ. शशि थरूर ने प्रियांशी शर्मा से वार्ता की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पुस्तकें पढ़ने से हमारा शब्दकोश बढ़ता है। उन्होंने कहा कि फेक न्यूज से लड़ने का एकमात्र तरीका पढ़ाई है। भाषा के संबंध में बोलते हुए उन्होंने कहा कि "आप भाषा को नहीं चुनते, अपितु भाषा आपको चुनती है।"

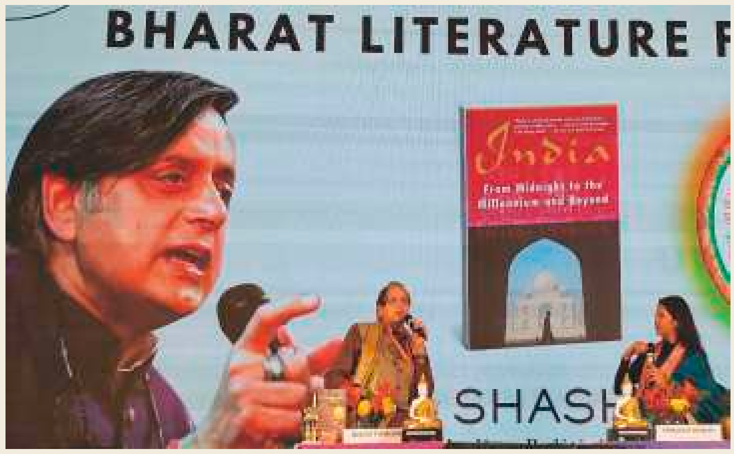

अंग्रेजी के संबंध में बोलते हुए उन्होंने कहा कि आप अंग्रेजी सीखिये, परंतु अपनी मातृभाषा मत छोड़िए। उन्होंने पी.जी. वोडहाउस को अपना पसंदीदा लेखक एवं महाभारत को अपनी पसंदीदा पुस्तक बताया।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'अखंड भारत के शिल्पी सरदार वल्लभभाई पटेल' विषय पर चर्चा आयोजित हुई। इसमें भाग्येश झा, गीता मानेक ने हिस्सा लिया। चर्चा में सरदार पटेल के नेतृत्व में रियासतों को भारत में सम्मिलित करने के ऐतिहासिक योगदान और उनके राष्ट्रीय एकता के प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय पुस्तक न्यास में गुजराती भाषा के संपादक भाग्येंद्रभाई पटेल ने किया।

इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर

संयुक्त अरब अमीरात ने 'सिनेमा विदाउट बॉर्डर्स : ए कल्चरल डायलॉग बिटवीन दि यूएई एंड इंडिया' विषय पर सेमिनार आयोजित किया। इस सत्र के वक्ता नासिर अहमद अल-याकूबी रहे। सेमिनार में इस विषय पर विचार किया गया कि किस प्रकार संयुक्त अरब अमीरात और भारत के बीच सिनेमा सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक सशक्त माध्यम है। भारतीय और अमीराती फिल्मों के साझा मूल्यों और विरासत पर भी वक्ता ने अपनी बात रखी। उनका मानना है कि आर्ट सांस्कृतिक सेतु का निर्माण करता है और यूएई तथा भारत के बीच गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को प्रदर्शित करता है।

साहित्य, प्रकाशन एवं अनुवाद आयोग, सऊदी अरब के द्वारा 'स्टोरीज आर दि सोल ऑफ कंटेंट' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। सत्र का संचालन अहमद अल-रिदिनी ने किया और सत्र के मुख्य वक्ता मोहम्मद ब्लू थे। उन्होंने इस बात की ओर दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया कि कहानी का किसी भी व्यक्ति के जीवन के सेंट्रल गोल पर क्या प्रभाव पड़ता है।

एक सवाल पर मोहम्मद ब्लू ने बताया कि 'कहानी ही सब कुछ है, मानव जीवन कहानी से ही शुरू होता है और इसका समापन भी कहानी से ही होता है।' किसी भी कहानी में पर्सनैलिटी, कैरेक्टर और टाइम मुख्य होता है। कहानी के मुख्य तत्व के बारे में भी उन्होंने विस्तार से बात की। तकनीक और सूचनाओं के दौर में कहानियों और कथा वाचन के क्षेत्र में आए परिवर्तनकारी बदलाव के बारे में भी उन्होंने अपने विचार रखे।

इसके बाद किस्सा या कथा वाचन के उदाहरण के तौर पर सऊदी अरब के रेगिस्तानी क्षेत्र से विकसित राष्ट्र बनने तक के सफर को अभिव्यक्त किया।

ईरान बुक एंड लिटरेचर हाऊस ने 'कल्चरल डे ऑफ ईरान एंड लॉन्च ऑफ ट्रांसलेटेड वर्क्स' के मौके पर कार्यक्रम की शुरुआत हेग्मन्टान्चे म्यूजिक ग्रूप के सुरीले संगीत से हुई। डॉ. फरीदोद्दीन फरीद अस्र (कल्चरल काउंसलर ऑफ दि रिपब्लिक ऑफ ईरान इन इंडिया) ने लोगों को संबोधित करते हुए ईरान के 'कल्चरल डे' पर शुभकामनाएँ दीं। इसके बाद ईरानी लेखक, अनुवादक और शोधकर्ता मुस्तफा मस्तूरी ने अपना वक्तव्य रखा। उन्होंने अपनी किताब 'किस दि लविंग फेस ऑफ गॉड' के जरिये रूसी साहित्य को बताया। इस पुस्तक के लोकार्पण में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के मुख्य संपादक एवं संयुक्त निदेशक कुमार विक्रम उपस्थित थे।

बाल मंडप

राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र द्वारा आयोजित कथावाचन सत्र में प्रसिद्ध कथाकार जयश्री सेठी ने बच्चों को एक चीनी लोककथा सुनाई। उनके कथावाचन की जीवंत शैली, हाव-भाव और स्वर के उतार-चढ़ाव ने बच्चों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों में कल्पनाशक्ति और सुनने की कला विकसित करना था। इसके बाद बच्चों ने मुस्कान गुप्ता के साथ सुंदर डाक टिकटों से लिफाफा बनाने की कला सीखी और अपने प्रियजनों को पत्र लिखे। एआई युग में जहाँ डिजिटल संचार हावी है, वहाँ पत्र-लेखन की भावनात्मक गहराई और महत्व को समझाने का यह प्रयास सराहनीय रहा।

राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र द्वारा बच्चों के लिए बाल फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई, जिसके अंतर्गत 'टॉम एंड जैरी', 'शेरलॉक होम्स', 'बाहुबली' और 'केटीबी भारत हैं हम' जैसी रोमांचक फिल्में दिखाई गईं। इस पहल से बच्चों ने मनोरंजन के साथ सीखने का आनंद लिया।

स्कॉलास्टिक द्वारा आयोजित 'अपने पसंदीदा कार्टून चरित्र से मिलिए' कार्यक्रम में बच्चों की मुलाकात मिस्टर वाटर से हुई। उन्होंने अपनी खासियत बताई और मिस्टर फायर, मिस्टर सी, मिस्टर एयर से भी परिचय कराया। पर्यावरण के महत्व को रोचक अंदाज में समझते हुए बच्चों ने खूब आनंद लिया। अंत में सभी ने झूमते-नाचते हुए मिस्टर वाटर को अलविदा कहा।

वार्नर ब्रॉस डिस्कवरी द्वारा 'सुपरहीरो स्क्वाड क्रिएट योर ओन हीरो' प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने अपनी कल्पनाशक्ति का परिचय देते हुए अनोखे सुपरहीरो बनाए। उन्होंने अपने विचारों को कागज पर उतारकर रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंत में विजेता बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

वन्यजीव संस्थान, देहरादून के संगीता अंगोम द्वारा बाल मंडप में 'गंगा द रिवर ऑफ लाइफ' सत्र का आयोजन किया गया। सत्र की शुरुआत 'नमामि गंगे' गान से हुई, जिसके बाद बच्चों को गंगा में रहने वाले जलीय जीवों की महत्ता बताई गई। बच्चों के साथ सवाल-जवाब, क्विज प्रतियोगिता और वन्यजीव संस्थान द्वारा आयोजित खेलों में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। सत्र के अंत में वन्यजीव संस्थान ने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के पुस्तकालय को स्मृति चिह्न के रूप में कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकें भेंट कीं। यह आयोजन बच्चों के लिए शिक्षाप्रद और रोचक रहा।

स्कॉलास्टिक द्वारा आयोजित चिल्ड्रन ऑथर'स मीट सत्र बेहद सार्थक रहा, जहाँ युवा लेखकों ने अपने लेखन से जुड़े अनुभव साझा किए। लेखकों ने अपने वक्तव्य में एआई के लेखन पर पड़ने वाले प्रभाव पर भी विचार व्यक्त किए, जिसमें इसके फायदे और चुनौतियों का उल्लेख किया।

एलेन प्रकाशन ने बाल मंडप में करियर पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एलन टीम से पूजा शर्मा, विजेता, सुभद्रा मठानकर, योगेंद्र कुमार, लोकेंद्र सिंह परवार रहे। कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए क्विज और रेपिड फायर का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों से अलग-अलग विषय पर प्रश्न किया गया। साथ ही बच्चों से वर्ष 2025 में किए जाने वाले उनके मुख्य गोल के बारे में लिखने को कहा गया। इस पर पाँचवीं में पढ़ने वाले आयुष ने अपनी शीट में लिखा—'मैं एक अच्छा आदमी बनूँगा और लोगों को जागरूक करूँगा कि कचरा कम फैलाएँ, ताकि हमारा देश विश्व में स्वच्छता में सर्वोच्च बने। वर्ष 2025 का मेरा यह संकल्प है कि मैं यह सारे काम कर सकूँ।'

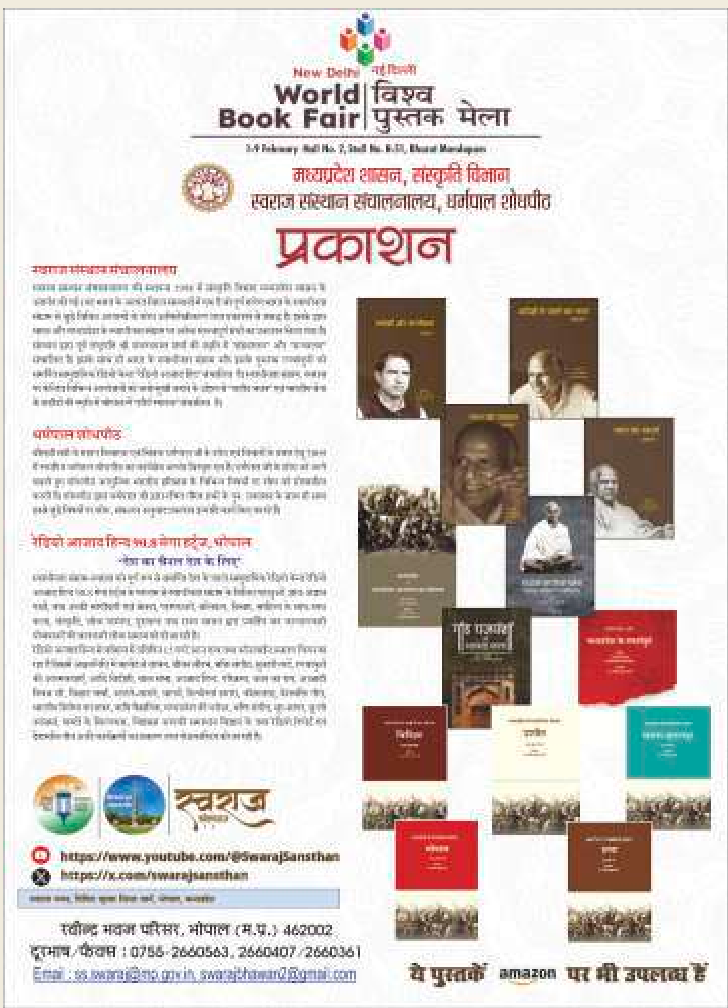

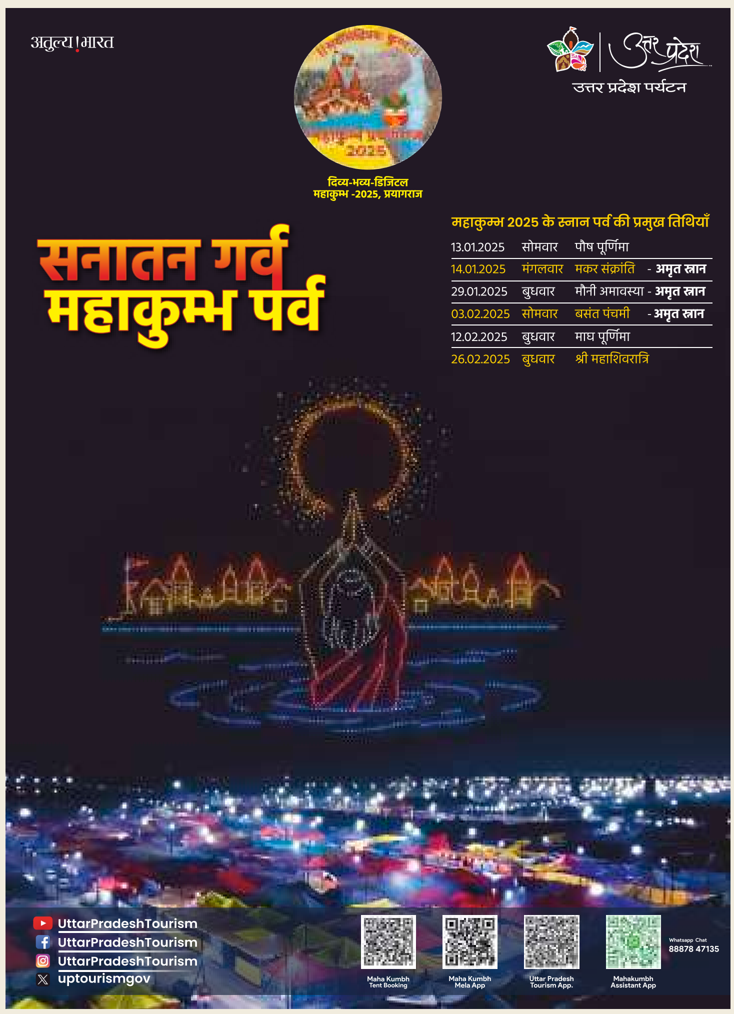

साहित्यिक गतिविधियाँ

संग्राम मिश्रा की पुस्तक 'रोल ऑफ लिटरेचर इन ट्रांसफॉर्मिंग द सोसाइटी' के लोकार्पण और चर्चा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। चर्चा के दौरान संग्राम मिश्रा ने कहा, "साहित्य समाज को आईना दिखाता है और समाज को जागरूक करता है। यह समाज के हाशिए पर स्थित लोगों की आवाज बनता है। साहित्य बदलाव का प्रतीक भी है।

डॉ. योगेश चंदना द्वारा 'वैदिक गणित' पर चर्चा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. योगेश ने कहा कि वह वैदिक गणित को लोगों तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वैदिक गणित के माध्यम से वह छात्रों के अंदर से गणित का भय दूर करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वैदिक गणित से गणितीय समस्याएँ आसानी से हल हो जाती हैं, जिससे समय की भी बचत होती है। मंच संचालन निखिल द्वारा किया गया।

एशल बिंद्रा की पुस्तक 'कॉस्केड्स ऑफ मेल : द मेल-ऑडीज ऑफ हैप्पीनेस' के लोकार्पण और चर्चा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एशल बिंद्रा ने कहा, "यह बाल साहित्य पुस्तक है। यह सिस्टरहुड पर आधारित पुस्तक है।" उन्होंने इस पुस्तक की प्रेरणास्रोत अपनी छोटी बहन को बताया।

द ग्रेट इंडियन बुक टूर और फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स के संयुक्त तत्वावधान में 'द आर्ट ऑफ स्टोरीटेलिंग : फ्रॉम कॉन्सेप्ट टू कंप्लीशन' कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें रचनात्मकता और लेखन शिल्प के विषय पर सार्थक चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में रोहित नारंग, मीनाक्षी कुमार, राज अभिषेक सिंह और सुजाता तातेर उपस्थित थे। मंच संचालन आशीष दत्ता द्वारा किया गया।

पेपर टाउंस पब्लिकेशन द्वारा 'रोल ऑफ सोशल मीडिया इन शेपिंग रीडिंग कल्चर एंड बुक मार्केटिंग' पर चर्चा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम के वक्ताओं में से एक सिद्धार्थ माहेश्वरी ने कहा कि "सोशल मीडिया पुस्तक की मार्केटिंग करने में मदद करता है।" इसके बाद शिवानी मित्तल ने बताया कि "सोशल मीडिया पर पाठकों के संदेश आसानी से प्राप्त हो जाते है।" मुकुल का मानना था कि सोशल मीडिया के कारण ऑफलाइन मार्केटिंग पर प्रभाव पड़ा है। आकृति शर्मा ने कहा कि "सोशल मीडिया कम्युनिटी लेखन कौशल को बढ़ावा देती है।" इस कार्यक्रम में राहुल जैन और आदित्य उपस्थित थे। मंच संचालन नगमा द्वारा किया गया।

ब्रह्मपुत्र लिटरेचर फेस्टिवल और फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स के संयुक्त तत्वावधान में 'हिल्स आर अलाइव विद द साउंड ऑफ म्यूजिक : डॉक्यूमेंटिंग म्यूजिक इन द रीजन' कार्यक्रम आयोजित किया गया। सत्र में बेल सुसंगी, मित्रा फुकन एवं सेवंती चटर्जी ने पैनल डिस्कशन किया। इस सत्र में वक्ताओं ने पुस्तक के विषय में अपने विचार रखते हुए गीत प्रस्तुति के माध्यम से क्षेत्रीय संगीत पर अपने भाव अभिव्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन मैरी थेरेसे कुरकलांग ने किया। इसके बाद 'अदर स्टोरीज' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में निरंजन कुंवर ने क्वियर जेंडर आइडेंटिटी पर सार्थक चर्चा की। बनमल्लिका चौधरी ने क्वियर लोगों की समस्याओं पर अपने वक्तव्य को केंद्रित रखा। कार्यक्रम में शांता खुरई भी उपस्थित रहीं और मंच संचालन अनीश गवांडे द्वारा किया गया।

डायमंड बुक्स द्वारा प्रकाश मनु की पुस्तक 'फिर आए राम अयोध्या में' का लोकार्पण किया गया। इसके बाद वक्ताओं ने पुस्तक के कुछ हिस्सों को भी पढ़ा। लोकार्पित पुस्तक के बारे में शकुंतला कालरा ने पाठकों से अनुरोध किया कि आप इसे एक पारिवारिक उपन्यास की तरह से पढ़ें।

खुसरो फाउंडेशन द्वारा 'कॉन्सेप्ट ऑफ जस्टिस इन वर्ल्ड रिलीजन'(ख्वाजा अब्दुल मुन्तकिम), 'सारा संसार एक परिवार (मोहम्मद अली शाह शोएब), 'मुस्लिम वूमेन अ मैनिफेस्टो फॉर चेंज'(डॉ. मुहम्मद मारूफ शाह) शीर्षक पुस्तकों का लोकार्पण किया गया तथा उन पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के निदेशक युवराज मलिक ने कहा, "खुसरो फाउंडेशन ने अपनी किताबों के माध्यम से कई गलत धारणाओं और मान्यताओं को तोड़ने की कोशिश की है।" ख्वाजा अब्दुल मुन्तकिम ने कहा कि भारतीय दर्शन विश्व को एक गाँव के रूप में बहुत पहले से ही देखता रहा है।

एशियन लिटरेरी सोसायटी द्वारा 'इनटू द क्लाइडोस्कोप ऑफ वर्सेज रेपेटियर ऑफ पोयम्स' (रूपाली मिस्त्री), 'समय के दर्पण में'(डॉ. मीनल), 'ब्रॉउन गर्ल इन द रेन' (इंद्राणी चौधरी) तथा 'वो रंग प्यार के थे' (मनोज कृष्णन) की पुस्तक का लोकार्पण किया गया। इसके बाद इन कवियों द्वारा काव्य पाठ किया गया।

केंद्रीय हिंदी संस्थान द्वारा 'भारतीय भाषाओं का अंतरसंबंध और राष्ट्रीय एकात्मता' पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. अपर्णा सरस्वती ने अपने स्वागत भाषण से किया। इस चर्चा के मुख्य वक्ता प्रो. पूरनचंद टंडन ने कहा कि हिंदी समस्त भारतीय भाषाओं को एक सूत्र में बाँधती है। प्रो. सुनील कुमार बाबुराव कुलकर्णी ने कहा कि भारतीय भाषाओं को एक सूत्र में बाँधने के लिए एक लिपि का होना बहुत जरूरी है।

वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा 'तकनीकी शब्दवली निर्माण के सिद्धांत और उनके अनुप्रयोग—राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के संदर्भ में' परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस चर्चा में हमारे दैनिक जीवन में प्रयोग आने वाले तकनीकी शब्दों और उसके महत्व को समझाया गया। चर्चा में शामिल प्रो. अजय कुमार मिश्र ने बताया कि "कैसे शब्दावली आयोग ऐसे शब्दों को अपनाता है, जो केरल में और बिहार में दोनों जगह समझा जा सकता है और पूरे भारत को एक सूत्र में बाँध रहा है।" इस कार्यक्रम में प्रो. अनिर्बान चक्रवर्ती, सुरेश तिवारी, डॉ. सुभाष चंद्रा ने अपने अपने वक्तव्य रखे।

सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, लेखक हरिशंकर राढ़ी की पुस्तक 'अंधे पीसें...' (व्यंग्य संग्रह) का सर्व भाषा ट्रस्ट के स्टॉल पर लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर प्रेम जनमेजय, ओम निश्चल, सुभाष चंदर, गिरीश पंकज, राधेश्याम तिवारी, स्मिता मिश्र, हरे राम पाठक, उपेंद्र कुमार मिश्र, रणविजय राव, राहुल जी आदि साहित्यकारों की भी उपस्थिति रही।

इंडिया नेटबुक्स प्रा.लि. द्वारा इंडिया नेटबुक्स कथामाला सीरीज के 48 कहानी-संग्रहों के अतिरिक्त, राघवेंद्र रावत की 'चौथी दीवार के इधर उधर' पुस्तक का भी लोकार्पण किया गया। उन्होंने बताया कि तीन भाग में विभाजित इस पुस्तक के केंद्र में भारतीय रंगमंच के बरक्स राजस्थान का समकालीन रंगमंच है। इसके अतिरिक्त, अलका सिन्हा का काव्य संग्रह 'हैं शगुन-से शब्द कुछ' का भी लोकार्पण किया गया। उन्होंने अपने कविता-संग्रह से कुछ कविताओं का पाठ भी किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

सांस्कृतिक मंच पर रिपब्लिक ऑफ दागिस्तान, रशिया की शानदार प्रस्तुति 'इकोज ऑफ द माउंटेंस' हुई। इसके अंतर्गत नृत्य एवं अभिनय के द्वारा विभिन्न संस्कृतियों की झलक प्रस्तुत की गई। इसके अलावा राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत की ओर से 'रैपर बिग डील' तथा जेनिस डांस ग्रुप की ओर से 'डांसेज ऑफ इंडिया' कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

शुक्रवार, दिनांक 07 फरवरी, 2025 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम

समय	कार्यक्रम	आयोजक
	इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर : हॉल सं. 4	
12:00-12:50	'अरब हेरिटेज : अ डिस्कशन'; मोहम्मद खिद्र अल-घामड़ी; अहमद अल-रिदिनी (*संचालन*)	लिटरेचर पब्लिशिंग एंड ट्रांसलेशन कमीशन, सऊदी अरब
01:00-01:50	लिटरेरी मीट एंड डिस्कशन ऑफ ईरानियन एंड इंडियन पब्लिशर्स; वक्ता : डॉ. फरीद अल-दिन फरीद अस्र, डॉ. अयूब देहगान कर, डॉ. इब्राहिम हैदरी, मुस्तफा मस्तूरी, डॉ. मरियम रोनाग; हुसैन बहरामी (*संचालन*)	ईरान बुक एंड लिटरेचर हाउस
02:00-02:50	पॉपुलेरिटी एंड डिमांड फॉर रशियन लिटरेचर इन द स्टेट ऑफ पंजाब; वक्ता : पंकज मालवीय, विजय सौदाई, डॉ. सोनू सैनी	आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू. ऑफ रशिया
03:00-03:50	इंट्रोडक्शन टू द कैटलन लैंग्वेज एंड लिटरेचर बाई समीर रावल	इंस्टिट्यूटो सर्वांतेस, नई दिल्ली
04:00-04:50	इमेज एंड लैंडस्केप : इंटरैक्शन एंड इंटरप्रिटेशन; अ डिस्कशन ऑफ पोएट्स वैसिली नैटसेनतोव एंड इगोर सिड	आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू. ऑफ रशिया
05:00-05:50	डिस्कशन ऑन 'व्हाई इट इज नेसेसरी टू रीपब्लिश रशियन लिटरेचर इन इंडियन लैंग्वेजेज; *वक्ता* : बलराम शर्मा, अभिषेक अग्रवाल, कविता, सुधीर वत्स, अनिल जनविजय (*संचालन*)	आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू. ऑफ रशिया
06:00-06:50	पोएट्री रीडिंग बाई इंडियन एंड रशियन पोएट्स; वैसिली नैटसेनतोव, इगोर सिड, अनास्तासिया स्त्रोकिना एंड इंडियन पोएट्स	आई.एल.टी.ए.डब्ल्यू.पी.यू. ऑफ रशिया
	थीम मंडप : हॉल सं. 5	
11:00-11:45	अंजू की पुस्तक का लोकार्पण और चर्चा; *वक्ता* : प्रो जी. वेंकटरमैया, डॉ. अतेम दत्तैया, डॉ. नीरजा अमरवाड़ी, दसारी अमरेंद्र	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
12:00-12:45	आधुनिक तमिल साहित्य और गणतंत्र की भावना; *वक्ता* : किझलम्बुर शंकर सुब्रमण्यन, गणेश रामकृष्णन, सुरेश कुमार रंगनाथन	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
01:00-01:45	'संविधान सभा में अविभाजित आंध्र प्रदेश की भूमिका'; *वक्ता* : डॉ. देवरापल्ली रवींद्र सतीश बाबू, डॉ. रेवुरू नरसैया, डॉ. शंकर परीपैल्ली, डॉ. पथिपका मोहन (*संचालन*)	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
02:00-02:45	'व्यंग्य और यथार्थ के शिल्पी : श्रीलाल शुक्ल'; *वक्ता* : डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी, प्रो. रामेश्वर राय, डॉ. कुमुद शर्मा, प्रेम जनमेजय, अंजुम शर्मा	भारत लिटरेचर फेस्टिवल
03:00-03:45	भारत की सांस्कृतिक कूटनीति : विरासत से क्षितिज तक; *वक्ता* : गजेंद्र सिंह शेखावत, डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी, उपेंद्र राय	भारत लिटरेचर फेस्टिवल
04:00-04:45	कुदोपली के शहीदों पर चर्चा; *वक्ता* : सिद्धार्थ प्रधान, दीपक कुमार पांडा, डॉ. विभूदत्त, प्रमोद कुमार मिश्रा, डॉ. सुजीत कुमार प्रुसेठ (*संचालन*)	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
05:00-05:45	पीएम युवा इवेंट; प्रो. लिट्टी चाको, प्रो. एम. जगदीश कुमार द्वारा मलयालम में सम्ग्रामा माधवन्ते रांडू कृतिकल पुस्तक लोकार्पण	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
06:00-06:45	संसदीय बहस और न्यायिक निर्णयों में उर्दू का साहित्यिक रंग; *वक्ता* : प्रो. नुजहत परवीन खान, एजाज मकबूल, प्रो. ख्वाजा, मो. शाहिद, डॉ. हफीजुर रहमान	रा.पु. न्यास एवं एनसीपीयूएल
07:00-07:45	भारतीय बाल साहित्य में संवैधानिक मूल्यों का प्रक्षेपण; *वक्ता* : विकी आर्य, क्षमा शर्मा, शुद्धसत्त्व बसु	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
	बाल मंडप : हॉल सं. 6	
10:00-10:40	रशियन साहित्य में बोलती बिल्लियों की परंपरा पर चर्चा	इगोर माल्याशेव
10:45-11:30	कथावाचन सत्र	उषा छाबड़ा
11:35-12:20	मैजिक ऑफ साइंस	राजीव तांबे
12:25-12:35	अपने पसंदीदा कार्टून चरित्रों से मिलिए	डॉगमैन
12:40-01:10	राइट अबाउट योर फेवरेट एनिमल	वार्नर ब्रॉस डिस्कवरी
01:15-01:55	इलस्ट्रेशन वर्कशॉप	कनातो जिमो
02:00-02:45	मीट द ऑथर एंड इलस्ट्रेटर	रूम टू रीड
03:00-03:45	चिल्ड्रन ऑथर'स मीट	स्कॉलास्टिक
04:00-04:45	डिस्कशन ऑन हारनेशिंग द पावर ऑफ डिजिटल मीडिया : एंपावरिंग कम्युनिटीज	चेष्टा केयर फाउंडेशन
05:15-06:15	बाल फिल्मों की स्क्रीनिंग	एनसीसीएल

शुक्रवार, दिनांक 07 फरवरी, 2025 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम

समय	कार्यक्रम	आयोजक
	लेखक मंच : हॉल सं. 2	
10.00-10:45	'फ्री यंग माइंड फ्रॉम मेंटल प्रेशर, बच्चों में नैतिक शिक्षा', *वक्ता* : शुभम प्रजापति	आदियोगी बुक्स का कार्यक्रम
11.00-11.45	'आत्मबोध से विश्वबोध', *वक्ता* : मनोज कुमार, भारत ठाकोर, डॉ. अवनिजेश अवस्थी, प्रवीण आर्य, डॉ. विनोद बब्बर, संजीव सिन्हा (*संचालन*)	इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती
12:00-12:45	उषा प्रियंवदा, मृदुला गर्ग, सूर्यनाथ सिंह, पंकज मित्र, चित्रा मुद्गल, जया जादवानी आदि के कथा सप्तकों का लोकार्पण; *वक्ता* : पंकज सुबीर, आकाश माथुर, प्रेम जनमेजय	शिवना प्रकाशन
01.00-01.45	सुरेश सेमवाल की पुस्तक 'जो मेरे लिए खास', पर चर्चा	प्रभात प्रकाशन (FoF)
02.00-02.45	'टॉक ऑन योगा'	वेस्ट बंगाल गवर्नर हाउस
03.00-03.45	'गुलमोहर', 'प्रांजल', 'सिफर से शिखर तक', 'इकोज ऑफ रिसाइलेंस' आदि पुस्तक लोकार्पण एवं चर्चा; *वक्ता* : राजीव मेनन, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव, प्रीता हरित (आईआरएस)	प्रखर मंच
04.00-04.45	प्रतिनिधि कविताएँ एवं पुस्तक लोकार्पण, *वक्ता* : मदन कश्यप, राकेश रेणु, पवन करण, सविता सिंह	प्रभाकर प्रकाशन प्रा.लि.
05.00-05.45	'आत्महत्या क्यों और बचें कैसे?' पुस्तक पर परिचर्चा, *वक्ता* : प्रो. राम गुलाम राजदान	स्वतंत्र प्रकाशन
06.00-06.45	अक्षत गुप्ता की पुस्तक 'हिडन हिंदू' का लोकार्पण एवं चर्चा	प्रभात प्रकाशन (FoF)
07.00-07.45	'जीवन के रंग, नज्मों के संग' पुस्तक लोकार्पण एवं चर्चा; *वक्ता* : तेज प्रताप, अनुपम श्रीवास्तव, अमिताभ खरे	मनोज टंडन, बोधि प्रकाशन
08.00-08.45	सुमन वाजपेयी की पुस्तक 'नागा स्टोरी' पर चर्चा	प्रभात प्रकाशन (FoF)
	ऑथर्स कॉर्नर : हॉल सं. 5	
11:00-11:45	मेजर जनरल जी.डी. बख्शी द्वारा पुस्तक चर्चा 'हिस्ट्री ऑफ हिंदुइज्म : ऐन इनसाइड द ट्रेडिशन व्यू'	गरुड़ प्रकाशन
12:00-12:45	समकालीन युवा वयस्क साहित्य में सामाजिक मुद्दों का चित्रण; *वक्ता* : डॉ. अमरेंद्र खटुआ, युयुत्सु शर्मा, मंदिरा घोष, डॉ. उषा मुजू मुंशी; वंदना भसीन (*संचालन*)	एशियन लिटरेरी सोसाइटी (FoF)
01:00-01:45	एशियन लिटरेरी सोसाइटी की इंग्लिश पोएट्री मीट; *वक्ता* : नीति पाती, रूपाली मिस्त्री, वंदना भसीन, राजश्री राठौर, चुमकी रॉय, डॉ. बिशाखा दास (*संचालन*)	एशियन लिटरेरी सोसाइटी (FoF)
02:00-02:45	अंशुल चतुर्वेदी की पुस्तक 'विवेकानंद हैण्डबुक ऑफ ऐवरीडे लिविंग' पर चर्चा; शिंजिनी कुलकर्णी (*संचालन*)	टाइम्स ऑफ इंडिया
03:00-03:45	'सीमाओं के पार और परे : साहित्यिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान'; *वक्ता* : अंजा रिडेबर्गर, जूलिया ट्रॉइलौड, सदफ रजा, तीस्ता गुहा सरकार (*संचालन*)	ब्रह्मपुत्र लिटरेचर फेस्टिवल (FoF)
04:00-04:45	'क्राफ्टिंग स्टोरीज़, टेलिंग टेल्स : पूर्वोत्तर के बच्चों और युवा वयस्कों के लिए लेखन पर परिप्रेक्ष्य'; *वक्ता* : कैनाटो जिमो, पंकज सैकिया, परिस्मिता सिंह, हन्ना लाललानपुई; सोमक घोषाल (*संचालन*)	ब्रह्मपुत्र लिटरेचर फेस्टिवल (FoF)
05:00-05:45	'उद्देश्य के साथ प्रकाशन : स्वतंत्र प्रकाशक उनकी दृष्टि, पुस्तकें और बाजार; *वक्ता* : अभिरुक पटवारी, रमन श्रेष्ठ, विशु रीता क्रोचा; तीस्ता गुहा सरकार (*संचालन*)	ब्रह्मपुत्र लिटरेचर फेस्टिवल (FoF)
06:00-06:45	'नॉर्थईस्ट इन वर्स'; *वक्ता* : मैत्रेयी पातर, मिशेल रुंगसुंग, महोनलुमो किकोन, रितुपर्णा नियोग, अदिति राव (संचालन)	ब्रह्मपुत्र लिटरेचर फेस्टिवल (FoF)
06:50-07:15	लेफ्टि. कर्नल शरत नांबियार की पुस्तक 'कनेक्टिंग डॉट्स' पर व्याख्यान	ब्लूरोज पब्लिशर्स
07:00-07:45	आरती कृप्स कपूर द्वारा पुस्तक लॉन्च और वार्ता 'साड़ी स्टोरीज़ ऑफ़ द 21st सेंचुरी–सेलिब्रेटिंग द मॉडर्न ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ द साड़ी : सस्टेनेबिलिटी, ट्रेडिशन एंड इनोवेशन'	स्टोनमिल कंसल्टिंग
08:00-08:45	साधना शंकर, आनंद प्रकाश माहेश्वरी, वंदना कुमारी जेना, अदिति दास राऊत एवं डॉ. ए.पी. माहेश्वरी की पुस्तकों का लोकार्पण और चर्चा	लिपि पब्लिकेशंस
	सांस्कृतिक कार्यक्रम (एंफीथिएटर 1)	
05:00-06:00	भारतीय छात्रों द्वारा रशियन सांस्कृतिक प्रस्तुति	रा.पु. न्यास
06:00-06:30	महाराष्ट्र राज्य की प्रस्तुति	रा.पु. न्यास
06:30 बजे से	इनायत कौर बजाज लाइव	रा.पु. न्यास

मेला वार्ता

शुक्रवार, 07 फरवरी, 2025

भारत-रूस: रूस से आईं किताबें

पुस्तक मेला के बारे में सामान्य जानकारी

भारत मंडपम् : कहाँ पर क्या

मेले की अवधि	: 01 - 09 फरवरी, 2025
समय	: प्रातः 10 से रात्रि 9 बजे तक
स्थान	: हॉल सं. 2 से 6
हॉल संख्या 2	**हॉल संख्या 2 और 3**
लेखक मंच	हिंदी एवं भारतीय भाषाओं के प्रकाशक
हॉल संख्या 3 (मेजानिन)	**हॉल संख्या 4**
नई दिल्ली राइट्स टेबल	विदेशी मंडप, डिजिटल अनुभव क्षेत्र
ऑथर्स लाउंज	इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर, विदेशी भागीदार
हॉल संख्या 5	**हॉल संख्या 6**
थीम मंडप (भारत : गणतंत्र @75)	बाल मंडप, बाल प्रकाशक
ऑथर्स कॉर्नर,	टॉय-इंटीग्रेटेड लर्निंग एंड एजुकेशनल ऐड्स
सामान्य एवं व्यापार (प्रदर्शनी)	डिजिटल अनुभव क्षेत्र, दर्शन और अध्यात्म,
एंफीथिएटर 1	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान
सांस्कृतिक कार्यक्रम	एवं मानविकी

प्रवेश : गेट नं. 10 (सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन), शटल सेवा उपलब्ध, गेट नं 4, गेट नं. 3

नोट : व्हील चेयर की सुविधा गेट नं 4, 3 और 10 पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, मोबाइल बैंक एटीएम वाहन और एंबुलेंस सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

भाषावार प्रकाशक

1. **हिंदी : 153**, 2. **उर्दू : 20**, 3. **संस्कृत : 4**, 4. **मलयालम : 2**, 5. **पंजाबी : 6**, 6. **तमिल : 1**, 7. **बांग्ला : 3**, 8. **अंग्रेजी : 337**, 9. **सिंधी : 2**, 10. **मैथिली : 2**, 11. **ओड़िया : 4**

हमसे यहाँ भी जुड़ें

https://twitter.com/nbt_india | https://www.facebook.com/nationalbooktrustindia/

LinkedIn https://in.linkedin.com/company/nationalbooktrustindia

YouTube https://www.youtube.com/user/NBTIndia | https://www.instagram.com/nbtindia/

https://www.kooapp.com/profile/nbtindia | अधिक जानकारी के लिए **www.nbtindia.gov.in** पर जाएँ

मेला वार्ता के लिए समाचार, सूचना एवं सुझाव
ई-मेल **melavartandwbf@gmail.com**
पर भेजे जा सकते हैं।
प्रकाशन हेतु सामग्री
मेला वार्ता
के हॉल संख्या 6
के पास स्थित कार्यालय को भी दी जा सकती है।

20 मेट्रो स्टेशन पर पुस्तक मेले के टिकट उपलब्ध

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला देखने आने वालों के लिए दिल्ली मेट्रो ने एक अच्छी सुविधा उपलब्ध कराई है, जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के 20 मेट्रो स्टेशनों पर पुस्तक मेले के लिए प्रवेश के टिकट उपलब्ध होंगे।

टिकट दर : वयस्क– 20 रुपये, बच्चे– 10 रुपये। छात्रों (विद्यालय की यूनिफॉर्म में), वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए प्रवेश निःशुल्क है।

जिन मेट्रो स्टेशनों पर टिकट उपलब्ध होंगे, वे इस प्रकार हैं–

1. रेड लाइन : रिठाला, दिलशाद गार्डन, वेलकम; **2. ब्ल्यू लाइन :** कीर्ति नगर, मंडी हाउस, सुप्रीम कोर्ट, वैशाली, नोएडा सिटी सेंटर, बोटैनिकल गॉर्डन, इंद्रप्रस्थ, नोएडा सेक्टर-52, द्वारका; **3. येलो लाइन :** विश्वविद्यालय, जीटीबी नगर, कश्मीरी गेट, राजीव चौक; **4. वॉयलेट लाइन :** आईटीओ; **5. ग्रीन लाइन :** मुंडका; **6. पिंक लाइन :** आईएनए; **7. मैजेंटा लाइन :** हौजखास।

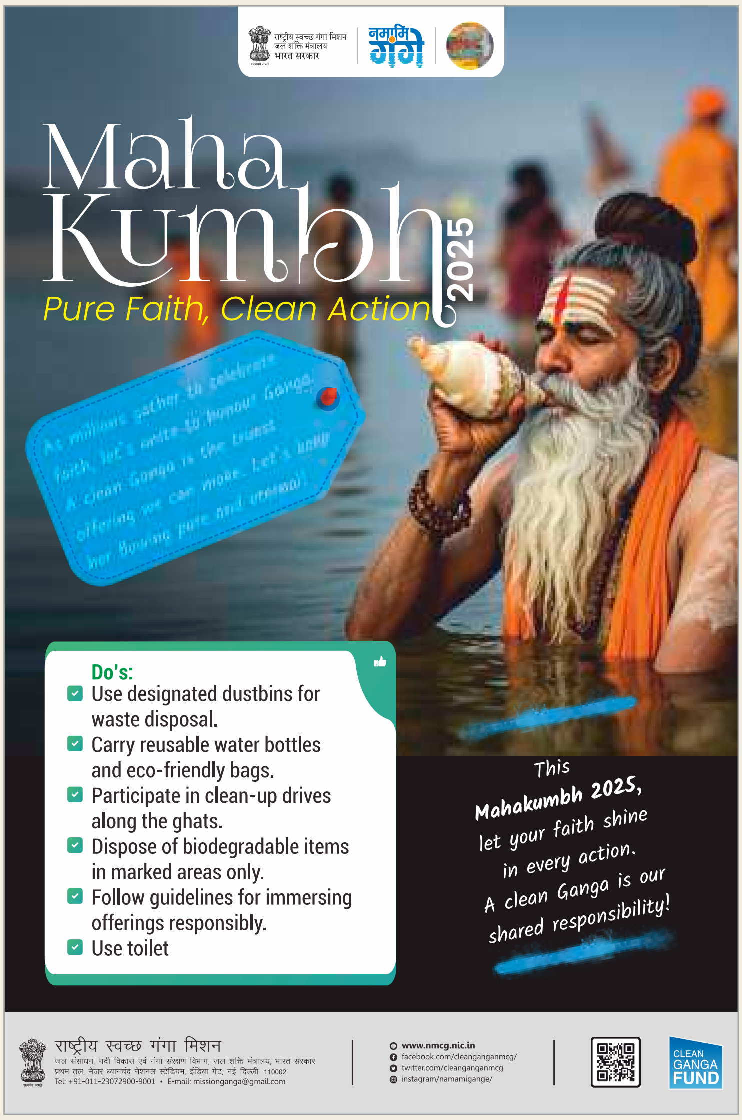

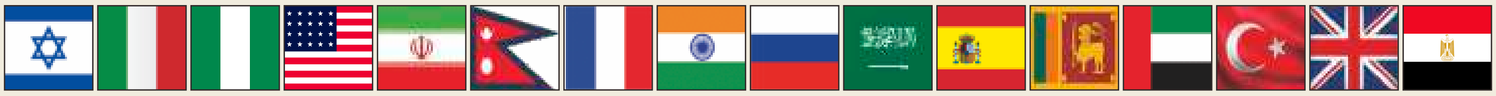

संपादक	संपादकीय सहयोग	उत्पादन	लेआउट एवं सज्जा / टंकण	संवाददाता
दीपक कुमार गुप्ता	विजयलक्ष्मी पाण्डेय, कमलेश पाण्डेय, सुधीर नाथ झा	पवन दूबे	ऋतुराज शर्मा / ब्रजेश बनवारी	सोनी सिंह, श्रीकान्त कुमार, मृणाल तिवारी, ऋतुराज, नमन दीक्षित

मेला वार्ता, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित स्वायत्त संगठन, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा 32वें नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के लिए प्रकाशित विशेष बुलेटिन है। इस पत्रिका के आलेखों में व्यक्त विचारों से न्यास का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

nbt.india

श्री युवराज मलिक, *निदेशक*, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-2, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 द्वारा प्रकाशित एवं मे. सालासर इमेजिंग सिस्टम्स, ए-97, सेक्टर-58, नोएडा-201301 द्वारा मुद्रित।